सत्र 2022–23
नियमित परीक्षार्थियों हेतु

एम.ए. (तबला) द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र–भारतीय संगीत का इतिहास

समय : 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1 नाट्यशास्त्र के तालाध्याय के आधार पर मार्ग ताल पद्धति का विस्तृत विवेचन।

2 देशी ताल पद्धति का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–2

1 प्राचीन तथा मध्ययुगीन ग्रंथों में वर्णित अवनद्ध वाद्यों के पाटाक्षर तथा उनकी रचनाओं का अध्ययन।

2 नाट्यशास्त्र में वर्णित अवनद्ध वाद्यों के वादन विधि से संबंधित पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या तथा वर्तमान वादन विधि में उनकी उपयोगिता।

इकाई–3

1 दिये गये संगीत संबंधी विषय पर न्यूनतम 200 शब्दों में निबंध लेखन।

2 पखावज एवं तबला वादन की शैली का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–4

1 एकल तबला वादन के विकास का ऐतिहासिक अध्ययन तथा विभिन्न घरानों में एकल तबला वादन के क्रम एवं स्वरूप का अध्ययन।

2 तबला एवं पखावज की बंदिशों के विकास का ऐतिहासिक अध्ययन।

इकाई–5

1 तालवाद्यों की आवश्यकता, उत्पत्ति एवं विकास का अध्ययन।

2 तालवाद्यों के वर्गीकरण का अध्ययन।

सत्र 2022–23
नियमित परीक्षार्थियों हेतु

एम.ए. (तबला) द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत

समय 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1 बंदिश की परिभाषा– विस्तारशील एवं अविस्तारशील बंदिशों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

2 प्राचीन शास्त्र ग्रंथों में वर्णित अवनद्ध वाद्य वादकों के गुण–दोष। (तबला वादन के संदर्भ में)

इकाई–2

1 गत एवं उसके विभिन्न प्रकारों का विवेचनात्मक सोदाहरण अध्ययन।

2 तिहाई और चक्रदार का रचना सिद्धांत एवं उनके अन्तर्निहित संबंध, तुलनात्मक ज्ञान तथा गणितीय सिद्धांतों का विवेचन।

इकाई–3

1. दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल, झपताल, एकताल, रूद्र, सवारी (15 मात्रा), आडा चौताल तालों में विभिन्न रचनाएँ बनाकर तालिपि में लिखना।

2. त्रिताल में प्रत्येक मात्रा से नवहक्का तिहाईयॉ बनाने का अभ्यास।

इकाई–4

1 पाश्चात्य संगीत की स्टाफ नोटेशन पद्धति का विस्तृत अध्ययन और भारतीय तालों को पाश्चात्य ताल लिपि में लिखने का ज्ञान ।

2 निम्नलिखित पाश्चात्य अवनद्ध वाद्यों का अध्ययनः–

कीटल ड्रम, टेनर ड्रम, बास ड्रम, स्नेअर ड्रम।

इकाई–5

1 त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, सवारी (15 मात्रा) तालों को विभिन्न लयकारियों में लिखने का अभ्यास।

2 किसी भी ताल मे ठेके को किसी अन्य ताल में सम से सम तक समायोजित कर तालिपपि में लिखने का अभ्यास।

सत्र 2022–23
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) द्वितीय सेमेस्टर
प्रायोगिक
वायवा

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. पूर्व मे सीखे गये तालों के अतिरिक्त ताल सवारी (15 मात्रा) में लहरे के साथ एकल वादन करने की योग्यता।
3. त्रिताल, एकताल, झपताल तथा रूपक में किसी निश्चित बोल को विभिन्न लयकारियों मे बजाने का अभ्यास।
4. बनारस एवं पंजाब घराने की बंदिशों का विशेष ज्ञान व बजाने की क्षमता।
5. उपशास्त्रीय एवं सुगम संगीत में संगत का अभ्यास।

नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) द्वितीय सेमेस्टर
मंच प्रदर्शन

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल में से किसी एक ताल का 20 मिनिट वादन।
2. सवारी (15 मात्रा) लहरें के साथ 15 मिनिट वादन।
3. तबला वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ : डॉ. अबान मिस्त्री
2. भारतीय ताल वाद्य : डॉ. लालमणि मिश्र
3. तबले का उद्‌गम, विकास एवं वादन शैलियॉ : डॉ. योगमाया शुक्ल
4. तबला : श्री अरविंद मुलगॉवकर
5. प्रमुख ताल वाद्य पखावज एवं तबले की परंपराएँ : डॉ. मोहिनी वर्मा
6. ताल शास्त्र : डॉ. जमुना प्रसाद पटेल
7. भारतीय संगीत शास्त्रों में वाद्यों का चिंतन : डॉ. अंजना भार्गव
8. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन : डॉ. अरूण कुमार सेन